भारत सरकार

वित्त मंत्रालय

आर्थिक कार्य विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 227

(जिसका उत्तर मंगलवार, 19 जुलाई, 2022/28 आषाढ़, 1944 (शक), को दिया जाना है)

227.श्री मल्लिकार्जुन खरगे:

क्या **वित्त मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि पिछले कुछ महीनों के दौरान रूपया बार-बार अपने न्यूनतम स्तर तक गिर रहा है;

(ख) यदि हां, तो मुद्रा में लगातार हो रही गिरावट के क्या कारण हैं;

(ग) हमारी मुद्रा की कीमत में आ रही इस गिरावट का विभिन्न वस्तुओं के आयात-निर्यात पर क्या प्रभाव पड़ा है;

(घ) रूपये की गिरती कीमत के कारण महंगाई और ईंधन की कीमतों में किस प्रकार वृद्धि हुई है;

(ङ) क्या सरकार इस गिरावट से निपटने के लिए गैर-आवश्यक वस्तुओं के आयात को कम करने की योजना बना रही है; और

(च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

वित्त राज्य मंत्री (श्री पंकज चौधरी)

(क) और (ख): जबकि भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले कमजोर हुआ है, यह 2022 के दौरान ब्रिटिश पाउंड, जापानी येन और यूरो जैसी अन्य प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले मजबूत हुआ है। वैश्विक कारकों जैसे रूस-यूक्रेन संघर्ष, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और वैश्विक वित्तीय स्थितियों का कड़ा होना अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपये के कमजोर होने के प्रमुख कारण हैं।

(ग) से (च): विनिमय दर कई अलग-अलग कारकों में से एक है जैसे, घरेलू और विदेशी वस्तुओं की मांग, जिंस कीमतें, कच्चे तेल की कीमतें आदि, जो भारत के निर्यात और आयात की मांग को प्रभावित करते हैं। भारत का व्यापारिक निर्यात 2021-22 के दौरान 421.9 बिलियन अमेरिकी डॉलर के रिकॉर्ड उच्च स्तर को छू गया था। चालू वर्ष के प्रत्येक महीने के दौरान भारत का निर्यात पिछले वर्ष के इन्हीं महीनों की तुलना में अधिक रहा है। 2021 और 2022 के दौरान भारत के निर्यात और आयात अनुबंध में दिए गए हैं। घरेलू कीमतों पर विनिमय दर अवमूल्यन का समग्र प्रभाव घरेलू बाजार में अंतरराष्ट्रीय जिंस कीमतों के पारगमन की सीमा तक निर्भर करता है।

वाणिज्य विभाग निम्न व्यापक रणनीति पर मुद्दे को हल करने के लिए समय –समय पर और विभिन्न मंचों पर संबंधित मंत्रालयों/विभागों एवं अन्य हितधारकों की निगरानी करता है और उन्हें संवेदनशील बनाता हैः (i) घरेलू आपूर्ति जटिलताओं का समाधान करना और घरेलू उत्पादन के अवसरों/क्षमता में वृद्धि पर ध्यान देना; (ii) व्यापार उपचारात्मक विकल्पों का समय पर उपयोग करना; (iii) अनिवार्य तकनीकी मानकों को अपनाना; (iv) मूल के नियमों को लागू करना; (v) प्रशुल्क उपाय/उल्टे प्रशुल्क सुधार आदि।

इसके अलावा, वाणिज्य विभाग किसी भी गोचर परिवर्तन की पहचान करने और आयात में वृद्धि की निगरानी के लिए मासिक और वार्षिक आधार पर आयात डेटा की निगरानी कर रहा है। सभी संबंधित मंत्रालयों/विभागों को मासिक आधार पर 8 एचएस अंकों के स्तर पर मदवार आयात वृद्धि से अवगत कराया जाता है ताकि जहां आवश्यक हो, उचित कार्रवाई शुरू की जा सके। 2014 से हर साल सभी संबंधित मंत्रालयों/विभागों को आयात की संरचना का एक स्थिति दस्तावेज भी परिचालित किया जाता है। इसके अलावा, सरकार और हितधारकों के लिए (i) इस्पात, (ii) अलौह धातु, (iii) कोयला और (iv) चिप्स (एकीकृत सर्किट) के आयात पर अग्रिम जानकारी प्रदान करने के लिए एक आयात निगरानी प्रणाली है।

अनुबंध

तालिका: 2021 और 2022 के दौरान भारत का माल निर्यात और आयात

	2021		2022	
	निर्यात (बिलियन अमरीकी डॉलर)	आयात (बिलियन अमरीकी डॉलर)	निर्यात (बिलियन अमरीकी डॉलर)	आयात (बिलियन अमरीकी डॉलर)
जनवरी	27.54	42.03	35.22	52.49
फरवरी	27.63	40.75	37.14	55.83
मार्च	35.26	48.90	44.49	62.98
अप्रैल	30.75	46.04	39.79	60.20
मई	32.30	38.83	39.04	63.25
जून	32.49	42.09	40.13	66.31

स्रोत: डीजीसीआई और एस